Toppersnotes®
Unleash the topper in you

HCS

हरियाणा लोक सेवा आयोग

Haryana Public Service Commission

(Prelims)

सामान्य अध्ययन

पेपर – 1 || भाग – 6

हरियाणा का सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

Haryana Public Service Commission

हरियाणा का सामान्य ज्ञान

हरियाणा सामान्य ज्ञान

1.	हरियाणा – एक दृष्टि	1
2.	हरियाणा विविध	7
3.	हरियाणा का प्राचीन इतिहास	14
4.	हरियाणा का इतिहास मध्यकालीन	17
5.	हरियाणा आधुनिक इतिहास	18
6.	प्रमुख दरगाह, मस्जिद एवं मकबरे	19
7.	हरियाणा के कला एवं संगीत	23
8.	हरियाणा के प्रमुख नृत्य	25
9.	हरियाणा के भाषा एवं साहित्य	27
10.	हरियाणा के प्रमुख विश्वविद्यालय	28
11.	प्रमुख पर्यटन स्थल	29
12.	राज्य के प्रमुख खेल एवं स्टेडियम	31
13.	हरियाणा के प्रमुख मेले एवं त्यौहार	33
14.	हरियाणा की जनगणना	37
15.	वेशभूषा एवं आभूषण	37
16.	हरियाणा के प्राचीन किले	39
17.	हरियाणा समाचार पत्र	44

हरियाणा का भूगोल

1.	भौगोलिक परिदृश्य	45
2.	जलवायु एवं मृदा	47

3.	हरियाणा में अपवाह तंत्र नदी–नहरे, झीले	49
4.	कृषि एवं पशुपालन	53
5.	वन एवं वन्य जीव	55
6.	खनिज संसाधन	57
7.	जिलेवार परिचय	62
8.	हरियाणा की प्रसिद्ध योजनाएं	77
	हरियाणा की राजव्यवस्था	
1.	हरियाणा प्रशासनिक संरचना	78
2.	हरियाणा न्यायपालिका	86
3.	हरियाणा में स्थानीय स्वशासन	92
	हरियाणा की अर्थव्यवस्था	
1.	हरियाणा में सिंचाई	97
2.	हरियाणा के खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	102
3.	हरियाणा में उद्योग	110
4.	हरियाणा में परिवहन एवं संचार	124

हरियाणा-सामान्य ज्ञान

हरियाणा - एक दृष्टि

- राज्य का मुख्य नाम क्या है - हरियाणा
- राज्य का सर्वप्रथम गठन कब हुआ - 1 नवम्बर, 1966
- राज्य की सीमा कितने राज्यों से मिलती है - 5
- राज्य की उत्तरी सीमा पर राज्य - हिमाचल प्रदेश
- दक्षिणी सीमा पर स्थित राज्य - राजस्थान
- पूर्व दिशा में स्थित राज्य - उत्तर प्रदेश
- पश्चिमी दिशा में स्थित राज्य - राजस्थान
- राजधानी - चण्डीगढ

हरियाणा का प्रशासनिक ढांचा

चरखी दादरी आज हरियाणा राज्य का एक जिला है। लेकिन कुछ समय पहले यह हरियाणा के जिले भिवानी के अंतर्गत आता था। 18 सितम्बर, 2016 को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने एक रैली में चरखी दादरी को प्रदेश का 22वां जिला बनाने की घोषणा की थी। 18 अक्टूबर, 2016 को हरियाणा कैबिनेट की बैठक में चरखी दादरी को जिला बनाए जाने संबंधी प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। जिला बनने से पहले चरखी दादरी हरियाणा का सबसे बडा उपमंडल था। नया जिला :-चरखी दादरी (22वां जिला)

- हरियाणा में दो नए मंडल बनाए- करनाल और फरीदाबाद।
- हरियाणा के मंडलो की संख्या - 6
- हरियाणा में दस नए उपमंडल बनाए :- अंबाला छावनी, बाढडा, बडखल, नारनौंद, बादली, उचाना, घरौंडा, रादौर, पुन्हाना और कालावाली।
- दस नई तहसील :-अंबाला छावनी, बडखल, बॉस, बादली, उचाना, अलेवा, लाडवा, रायपुर रानी, मतलोडा, कालावाली।
- तीन नई उप तहसीलें :-खिजराबाद, पालवास खेडी, चौपटा
- 14 नए ब्लॉक :- बादली ,उझाना, मुनक, पीपली, कुंजपुरा, पिनगवां, बडीती, पलवल, डहीना, खिजराबाद, नागपुर, तिगांव, ढांड।

हरियाणा का नया प्रशासनिक ढांचा

1	जिले- 22
2	मंडल- 06
3	उपमंडल- 74
4	तहसील- 93
5	उप तहसील- 50
6	ब्लॉक (खंड)- 140
7	कस्बे- 154
8	ग्राम पंचायत- 6,212
9	गांव- 6,841 (7356)
10	पंचायत समिति-119
11	जिला परिषद्- 22
12	नगर पालिका परिषद्-21
13	लोकसभा सदस्य-10
14	विधान सभा सदस्य-90+1
15	राज्य सभा सदस्य- 5

हरियाणा के मण्डल व उनसे संबन्धित जानकारी

हरियाणा के मण्डलो व उनसे संबन्धित जानकारी दी गई है। कुछ समय पहले हरियाणा में 4 मण्डल हुआ करते थे। करनाल और फरीदाबाद को नया मण्डल बनाने के बाद हरियाणा में मंडलों की संख्या 6 हो गई है।

हरियाणा के मण्डलों व उनके अधीन आने वाले जिलों के बारें में बताया गया है। हमें उम्मीद है दी गई जानकारी हरियाणा से संबन्धित विभिन्न परीक्षाओं में आपकी मदद करेंगे।

- हरियाणा में दो नए मंडल बनाए - करनाल और फरीदाबाद
- हरियाणा के मंडलों की संख्या - 6
- हरियाणा में दस नए उपमंडल बनाए :- अंबाला छावनी, बाढडा, बडखल, नारनौंद, बादली, उचाना, घरौंडा, रादौर, पुन्हाना और कालावाली

हरियाणा के मण्डलों के नाम व उनके अधीन आने वाले जिले

1. अंबाला - अंबाला, पंचकुला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र
2. रोहतक- रोहतक, सोनीपत, झज्जर, भिवानी, चरखी दादरी
3. हिसार - हिसार, जींद, फतेहाबाद, सिरसा
4. गुरुग्राम- गुरुग्राम, रेवाडी, महेन्द्रगढ 6. फरीदाबाद- फरीदाबाद, पलवल, मेवात (नूह) 5. करनाल- करनाल, कैथल, पानीपत

उपमंडल, तहसील, उपतहसील, खंड

जिला	उपमंडल (73+1)	तहसील (9)	उपतहसील (50)	खंड (140)
फतेहाबाद	(3) फतेहाबाद, रतिया, टोहाना,	(3) फतेहाबाद, रतिया, टोहाना,	(4) भूना, भट्टुकलाँ, कूलां,जाखल	(7) फतेहाबाद, रतिया, टोहाना, भूना, भट्टुकलाँ, जाखल, नागपुर
पनीपत	(2) पानीपत, समालखा	(4) पानीपत, समालखा, बापौली, इसराना	(1) मडलौढा	(6) पानीपत, इसराना, मडलौडा, समालखा, सनौली, बापौली
यमुनानगर	(3) जगाधरी, बिलासपुर, रादौर	(4) जगाधारी, बिलासपुर, छछरौली, रादौर	(3) सढोरा, सरस्वती नगर, खिजराबाद	(7) जगाधरी, बिलासपुर, छछरौली, रादौर, सढोरा, सरस्वती नगर, खिज्रराबाद
फरीदाबाद	(3) फरीदाबाद, बदखल, वल्लभगढ	(3) फरीदाबाद, वल्लभगढ, बदखल	(2) मोहना, तिगांव	(4) फरीदाबाद, वल्लभगढ, तिगांव, बडौली, मोहना
भिवानी	(4) भिवानी, लोहारू, तोशाम, सिवानी	(5) भिवानी, बवानी-खेडा, लोहरू, तोशाम, सिवानी	(1) बहल	(7) भिवानी, बवानी-खेडा, लोहरू, तोशाम, सिवानी, बहल, कैरू
चरखी दादरी	(2) चरखी दादरी और बाढडा	(2) चरखी दादरी और बाढडा	(1) बहल	(4) चरखी दादरी, बाढडा, झोजू, बौंदकलां
रेवाडी	(3) रेवाडी, कोसली व बावल	(3) रेवाडी, बावल, कोसली	(4) धारूहेडा, डहीना, मनेठी, नाहड	(7) रेवाडी, खोल, जाटूसाना, नाहड, बावल, डहीना, धारूहेडा
सिरसा	(4) सिरसा, डबवाली, ऐलनाबाद, कालांवाली	(6) सिरसा, डबवाली, ऐलनाबाद, रानिया, नाथुसारी, चोपटा, कालांवाली	(2) गोरीवाली, चोपटा कालांवाली	(7) सिरसा, रानिया, डबवाली, ऐलनाबाद, नाथुसारी,चोपटा, बढा गुढा, ओढा
सोनीपत	(4) सोनीपत, गोहाना, गन्नौर, खरखौदा	(4) सोनीपत, गोहाना, गन्नौर, खरखौदा	(2) खानपुरकलां, राई	(8) सोनीपत, गोहाना, गन्नौर, खरखौदा, कथुरा, मुडलाना, मुरथल, राई
रोहतक	(3) रोहतक, सांपला व महम	(4) रोहतक, सांपला, कलानौर व महम	(1) लाखनमाजरा	(5) कलानौर, रोहतक, सांपला, महम व लाखनमाजरा
जींद	(4) जींद, उचाना, सफीदों व नरवाना	(5) जींद, सफीदों, नरवाना, जुलाना, उचाना कलां	(3) अलेवा, पिल्लूखेडा, उचाना	(7) जींद, सफीदों, नरवाना, जुलाना, पिल्लूखेडा, उचाना, कलां, अलेवा
महेन्द्रगढ	(3) महेन्द्रगढ, कनीना व नारनौल	(5) महेन्द्रगढ, नारनौल, अटेली, कनीना, नांगल चौधरी	(1) सतनाली	(7) महेन्द्रगढ, कनीना, अटेली नांगल, नांगल चौधरी, नारनौल, निजामपुर, सतनाली

प्लवल	(3) हथीन, होडल, पलवल	(3) पलवल, हथीन, होडल	(2) हसनपुर, बहीन	(5) पलवल, होडल, हसनपुर, हथीन, पृथला
नुंह	(3) फिरोजपुर झिरका, नुंह, पुन्हाना	(3) फिरोजपुर, झिरका, नूंह, पुन्हाना, तावडू	(1) नगीना	(7) फिरोजपुर झिरका, नुंह, पुन्हाना, तावडू, नगीना, पिनगवां, नगीना
हिसार	(4) हिसार, हांसी, बरवाला, नारनौन्द	(5) हिसार, आदमपुर, हांसी, नारनौन्द, बरवाला	(3) उकलाना मंडी, बालसमंद, बांस	(9) आदमपुर, बरवाला, हांसी-I, हांसी-II, हिसार-I, हिसार-II, नारनौन्द, अग्रोहा, उकलाना
अंबाला	(4) अंबाला, अंबाला कैंट, नारायणगढ व बराडा	(7) अंबाला, अंबाला कैंट, साहा, मुलाना, शहजादपुर, नारायणगढ व बराडा	(2) अंबाला छावनी, साहा	(6) अंबाला, अंबाला-II, बराडा, नारायणगढ, शहजादपुर, साहा
करनाल	(4) करनाल, असंध, इंद्री, घरौंडा	(5) करनाल, असंध, नीलोखेडी, इंद्री, घरौंडा	(3) निसिंग, बल्ला, निंगुध	(8) घरौंडा, इंद्री, करनाल, नीलोखेडी, कुंजपुरा, मुनफ, असंध, निसिंग
कुरूक्षेत्र	(4) थानेसर, लाडवा, पेहोवा,शाहबाद	(3) थानेसर, पेहोवा, शाहबाद	(3) इस्माइलबाद, बबैन, लाडवा	(7) लाडवा, थानेसर, पेहोवा, शाहबाद, इस्माइलाबाद, बबैन, पिपली
कैथल	(3) कैथल, गुहला व कलायत	(5) कैथल, गुहला, कलायत, फतेहपुर, पुंडरी	(3) राजौन्द, ढान्ड, सीवन	(7) गुहल, चिका, कैथल, पुंडरी, कलायत, राजौन्द, सीवन, ढान्ड
गुरूग्राम	(3) पटौदी, दक्षिणी व उत्तरी गुरूग्राम	(5) गुरूग्राम, पटौदी, सोहना, फर्रूखनगर, मानेसर	(4) बादशाहपुर, वजीराबाद, कादीपुर, हरसरू	(4) फर्रूखनगर, गुरूग्राम, पटौदी, सोहना
पंचकुला	(2) पंचकुला, कालका	(3) पंचकुला, कालका, रायपुर रानी	(2) बरवाला, मोरनी	(4) बरवाला, पिंजौर, मोरनी, रायपुर रानी
झज्जर	(4) झज्जर, बेरी, बहादुरगढ, बादली	(5) झज्जर, बेरी, बहादुरगढ, मातनहेल, बादली	(1) साल्हावास	(7) झज्जर, बेरी, बहादुरगढ, मातनहेल, साल्हावा, बादली, मछरौली

- हाल ही में मछरौली व धारूहेडा को खंड बनाया गया है ।

हरियाणा के जिले और पडोसी राज्यों के जिले जिनकी सीमाएं मिलती है ।

हरियाणा के सीमा से लगने वाले राज्य -

1. उत्तर प्रदेश
2. राजस्थान 3. पंजाब
4. उत्तराखंड
5. हिमाचल प्रदेश

हरियाणा के जींद जिले की सीमाएं 7 जिलों से मिलती है जिनके नाम इस प्रकार से है -

1. कैथल
2. करनाल 3. पानीपत
4. रोहतक
5. हिसार
6. फतेहाबाद
7. सोनीपत

हिमाचल प्रदेश के दो जिले हरियाणा के 3 जिलों की सीमा से लगते है ।

1. सोलन, सिरमौर - पंचकुला से
2. सिरमौर - अंबाला, यमुनानगर से

हरियाणा के 7 जिले उत्तर प्रदेश के 5 जिलों की सीमा से लगते हैं ।

1. यमुनानगर - सहारनपुर से
2. करनाल - सहारनपुर और शामली से
3. पानीपत - शामली से
4. सोनीपत - बागपत से
5. फरीदाबाद - गौतमबुद्ध नगर से
6. पलवल - गौतम नगर और मथुरा से

हरियाणा के 7 जिले राजस्थान के 7 जिलों की सीमा से लगते हैं -

1. सिरसा - हनुमानगढ से
2. फतेहाबाद - हनुमानगढ से
3. हिसार - हनुमानगढ से
4. भिवानी - हनुमानगढ, झुंझनू और चुरू से
5. महेंद्रगढ - जयपुर, सीकर, अलवर और झुंझनू से
6. रेवाडी - अलवर से
7. नूह (मेवात) - भरतपुर और अलवर से

हरियाणा के 6 जिले पंजाब के 7 जिलों की सीमा से लगते हैं-

1. सिरसा - मुक्तसर, भटिंडा और मानसा से
2. फतेहाबाद - मानसा और संगरूर से
3. जींद - संगरूर और पटियाला से
4. कैथल - पटियाला से
5. कुरुक्षेत्र - पटियाला से
6. अंबाला - मोहाली और पटियाला से
7. पंचकुला - मोहाली से

हरियाणा के वे कौन से जिले हैं जिनकी सीमाएँ किसी भी पडोसी राज्यों से नहीं लगती -

1. रोहतक
2. चरखी दादरी

राज्य वृक्ष - पीपल, पीपुल या बो पेड (पवित्र पीपल वृक्ष)

पीपल वृक्ष (पवित्र पीपल वृक्ष) को, जो भारत का एक देशी पेड है, हरियाणा का राज्य वृक्ष घोषित किया गया है। जड, छाल, पत्ते और फल सहित पीपल पेड के सभी भाग, उपयोगी होते हैं। पीपल वृक्ष की वनस्पति वर्गीकरण है-

- श्रेणी: मैग्नोलियोफिटा कक्षा: मैग्नोलियोप्सिडा क्रम: उर्टिकेलस फैमिली: मोरासी, लैटिन नाम: फिकस रेलिजिओसा लिन
- अंग्रेजी नाम: सेक्रेड फि, द होली बिग ट्री
- संस्कृत नाम: अश्वाथ
- वृक्ष का विवरण: बडे पेड, फूल का रंग लाल, फरवरी में फूल, मई/जून में फल, व्यापक रूप से ऊपरी भूभाग और मैदानी क्षेत्र में पाया जाता है।
- उपयोगी भाग: जड, छाल, पत्ते और फल ।
- **औषधीय उपयोग:** पेड की छाल प्रदाह और गर्दन की ग्रंथियों में सूजन में उपयोगी है। इसके जड की छाल मुखशोथ, स्वच्छ अल्सर के लिए उपयोगी है, और कणिकायन को बढावा देता है। इसकी जडें गठिया रोग के लिए उपयोगी है तथा जड को मसूढ़ों के रोगों को रोकने के लिए चबाया जाता है। इसका फल रेचक है जो पाचन और उल्टी को बढावा देता है। इसके पके हुए फल का स्वाद खराब होता है किन्तु, प्यास और दिल की बीमारियों के लिए अच्छे है। संचालित फल अस्थमा के लिए लिया जाता है। इसके बीज, मूत्र से संबंधित समस्याओं में उपयोगी साबित हुए है। पत्तियाँ कब्ज के इलाज के लिए उपयोग में लाई जाती हैं ।

राज्य पुष्प - कमल

लोटस या जल लिली केवल उथले पानी में उगने वाला, बडे तैरने वाले हरी पत्तियों वाला और चमकदार सुगंधित फूलों वाला एक जलीय पौधा है। इसके फूल को रंगों के आधार पर दो प्रकार में बांटा गया है, लाल कमल के फूल और सफेद कमल के फूल । इसके सुंदर फूल तैरने वाले तथा कई पंखुडियों वाले होते हैं ।

राज्य पशु - कृष्णमृग

कृष्णमृग, मुख्य रूप से भारत में पाया जाता है लेकिन पाकिस्तान और नेपाल में भी इसकी छोटी आबादी पायी जाती है। कृष्णमृग का चक्राकार सींग होता है जिसमें 3 से 4 मध्यम सर्पिल मोड होती है और इसकी लंबाई 70 सेमी (28 इंच) तक होती है। अफ्रीका के स्याह मृग को भी कृष्णमृग कहा जाता है। वयस्क नर कृष्णमृग की ऊँचाई कंधे तक 80 सेमी (32 इंच) होती है और वजन 32-43 किलोग्राम (71-95 पौंड) होता है । शरीर का ऊपरी भाग काला होता है, निचला हिस्सा तथा आंखों के आसपास एक गोल निशान का रंग सफेद होता है । हल्के भूरे रंग की हिरणियाँ प्रायः बिना सींग के होती हैं, और हिरण गहरे भूरे रंग के होते हैं ।

काला हिरण जो भारतीय कृष्ण मृग (अन्तेलोपेसर्विकाप्रा) भी कहा जाता है। इसके निम्नलिखित चार उप प्रजाति हैं,

- अन्तेलोपे सर्विकाप्रा सर्विकाप्रा
- अन्तेलोपे सर्विकाप्रा राजपूताने
- अन्तेलोपे सर्विकाप्रा सन्तलिस
- अन्तेलोपे सर्विकामा रुपिकाप्रा

राज्य पक्षी – ब्लैक फ्रैंकोलीन (काला तीतर)

ब्लैक फ्रैंकोलीन (फ्रैंकोलिनुस फ्रैंकोलिनुस) काला तीतर के रूप में जाना जाता है, यह उत्तर और मध्य भारत के अधिकांश क्षेत्र में एक व्यापक प्रजनन निवासी है। यह भूरे फ्रैंकलीन की अपेक्षा पानी के साथ और अधिक जुडा होता है।

राजनीतिक संरचना

भारत संसदीय सरकार –(प्रधानमंत्री + मत्रिपरिषद्) कार्यपालिका

संविधान

1. राष्ट्रपति
2. कार्यपालिका(प्रधानमंत्री+मुख्यमंत्री)
3. विधायिका (कानून)
   अ) राज्यसभा–5 (उच्च सदन)
   – विधानपरिषद्
   ब) लोकसभा–10 (निम्न सदन) संसद
   – विधानसभा (90+1)
4. न्यायपालिका
   - लोकसभा – अधिकतम सदस्य – 552 – प्रत्यक्ष चुनाव – (543+2)
   - राज्यसभा – 250 (238+12) – 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत – 238 – अप्रत्यक्ष चुनाव
   - हरियाणा विधानसभा – 90/17(आरक्षित) लोकसभा – 10/2 (अंबाला- सिरसा)

हरियाणा विधानसभा

- 14वीं विधानसभा (90 सीटें)
- 95th संशोधन 2009 – 2026 तक
- 126th संशोधन 2019 – 2030 तक (आरक्षण सीट)
- अधिकतम विधानसभा सीटें – 7 (हिसार)
- न्यूनतम विधान सभा सीटें – 2 (पंचकुला, चरखी दादरी)
- हरियाणा में मौजूदा कुल 22 जिलों में 5 जिलों – महेन्द्रगढ, फरीदाबाद, पंचकुला, नूँह और चरखी दादरी में कोई भी विधानसभा सीट आरक्षित नहीं है।

विधानसभा आरक्षित सीटें

1. झसरनां (पानीपत)
2. झज्जर (झज्जर)
3. कालानौर (रोहतक)
4. कालांवाली (सिरसा)
5. खरखौदा (सोनीपत)
6. मुलना (अम्बाला)
7. नरवाना (जींद)
8. नीला खेडी (करनाल)
9. पटौधी (गुरुग्राम)
10. रतिया (फतेहाबाद)
11. सढौरा (यमुनानगर)
12. शाहबाद (कुरुक्षेत्र)
13. उकलाना (हिसार)
14. गुहला (कैथल)
15. बवानी खेडा (भिवानी)
16. बावल (रेवाडी)
17. होडल (पलवल)

राज्य के प्रतीक एवं चिन्ह

राज्य वृक्ष – पीपल, राजकीय खेल – कुश्ती
राज्य पशु – ब्लैक बक (कृष्णमृग)
राज्य पुष्प – कमल
राज्य पक्षी – ब्लैक फ्रैंकोलिन (काला तीतर)

हरियाणा मंत्रिमंडल

1. मनोहर लाल खट्टर (मुख्यमंत्री), सीट- करनाल वित्त, टाउन एवं कंट्री प्लानिंग, जनस्वास्थ्य, सिंचाई एवं जल संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी, आवास, राजभवन मामले, सी.आई.डी हेड – जालोक मितल
2. दुष्यंत चौटाला (उपमुख्यमंत्री), सीट – उचाना कला राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, आबकारी एवं कराधान, विकास एवं पंचायत, उद्योग एवं वाणिज्य, लोक निर्माण, खाद्य एवं उपभोक्ता मामले, नागरिक उड्डयन, श्रम एवं रोजगार
3. अनिल बिज (कैबिनेट मंत्री), सीट- अंबाला कैंट गृह, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य, आयुष, तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
4. कंवर पाल गुर्जर (कैबिनेट मंत्री), सीट – जगधारी शिक्षा, वन, पर्यटन, संसदीय कार्य, हॉस्पिटैलिटी, कला एवं सस्कृति
5. मुलचन्द शर्मा(कैबिनेट मंत्री), सीट–वल्लभगढ परिवहन, खनन एवं भू-विज्ञान, कौशल विकास, औद्योगिक प्रशिक्षण, निर्वाचन
6. रणजीत सिंह चौटाला (कैबिनेट मंत्री), सीट- रानिया निर्दलीय ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा
7. जय प्रकाश दलाल (कैबिनेट मंत्री), सीट- लोहारू कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, कानून
8. डॉक्टर बनवारी लाल (कैबिनेट मंत्री), सीट- बावल सहकारिता, अनुसूचित जाति और पिछडा वर्ग कल्याण
9. डॉ. कमल गुप्ता (कैबिनेट मंत्री), सीट- हिसार शहरी स्थानीय निकाय, सभी के लिए आवास

Toppersnotes Unleash the topper in you

10. श्री देवेन्द्र सिंह बबली (कैबिनेट मंत्री), सीट - टोहाना विकास और पंचायतें, पुरातत्व और संग्रहालय
11. अनूप धानक (राज्यमंत्री), सीट- उकलाना पुरातत्व एवं संग्रहालय (स्वतंत्र प्रभार), श्रम एवं रोजगार (उपमुख्यमंत्री के साथ संलग्न)
12. संदीप सिंह (राज्यमंत्री), सीट-पेहोवा खेल एवं युवा मामले, प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान फ्लिकर सिंह उपाधि से नवाजा गया।

हरियाणा के राज्यपाल

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल
1.	धर्मवीर	1.11.1966 से 14.9.1968
2.	विरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती	15.09.1968 से 26.3.1976
3.	रणजीत सिंह नरूला	27.3.1976 से 13.8.1976
4.	जै सुख लाल हाथी	14.8.1976 से 23.9.1977
5.	हरचरण सिंह बराड	24.9.1977 से 9.12.1979
6.	सुरजीत सिंह संदहवालिया	10.12.1979 से 27.2.1980
7.	गणपतराव देवजी तपेश	28.2.1980 से 13.6.1984
8.	सैयद मुजफ्फर हुसैन बरूनी	14.06.1984 से 21.02.1988
9.	हरिआनंद बरारी	22.02.1988 से 06.02.1990
10.	धनिक लाल मंडल	07.02.1990 से 13.06.1995
11.	महावीर प्रसाद	14.06.1995 से 18.06.2000
12.	बाबू परमानंद	19.06.2000 से 01.07.2004
13.	ओमप्रकाश वर्मा	02.07.2004 से 07.07.2004
14.	मो.ए.आर. किदवई	07.07.2004 से 27.07.2009
15	जगन्नाथ पहाडिया	27.07.2009 से 26.07.2014
16	कप्तान सिंह सोलंकी	27.07.2014 से 21.08.2018
17	सत्येदव नारायण आर्य	25.08.2018 से 6.07.2021
18	वंडारू दत्तात्रेय	07.07.2021 से वर्तमान

हरियाणा के मुख्यमंत्री

क्र. सं.	नाम	कार्यकाल
1	भगवत दयाल शर्मा	01.11.1966 से 23.03.1967
2	राव बीरेंद्र सिंह	24.03.1967 से 20.11.1967
3	बंसी लाल	22.05.1968 से 30.11.1975
4	बनारसी दास गुप्ता	01.12.1975 से 30.04.1977
5	देवीलाल	21.06.1977 से 28.06.1979
6	भजन लाल	29.06.1979 से 04.06.1986
7	बंसीलाल	05.06.1986 से 19.06.1987
8	देवीलाल	17.07.1987 से 01.12.1989

9	ओम प्रकाश चौटाला	2.12.1989 से 22.05.1990
10	बनारसी दास गुप्ता	23.05.1990 से 11.07.1990
11	ओम प्रकाश चौटाला	12.07.1990 से 17.07.1990
12	हुकम सिंह	17.07.1990 से 22.03.1991
13	ओम प्रकाश चौटाला	23.03.1991 से 06.04.1991
14	भजन लाल	23.06.1991 से 10.05.1996
15	बंसीलाल	11.05.1996 से 10.05.1999
16	ओमप्रकाश चौटाला	24.07.1999 से 04.03.2005
17	भूपिंदर सिंह हुड्डा	05.03.2005 से 26.10.2014
18	मनोहर लाल खट्टर	26.10.2014 से वर्तमान

नोट

- हरियाणा से चुनी जाने वाली प्रथम महिला विधायक – श्रीमती चंद्रावती
- भारत व हरियाणा की प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष – शन्नो देवी
- हरियाणा का सबसे कम समय तक रहने वाला विधानसभा अध्यक्ष – राव वीरेन्द्र
- सबसे अधिक समय तक रहने वाला विधानसभा अध्यक्ष – हरिमोहन चढ्ढा
- हरियाणा के प्रथम जनरल एडवोकेट – आनंद बाबू स्वरूप
- पंजाब व हरियाणा के उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश – न्यायमूर्ति रामलाल
- बी.एन. चक्रवर्ती – हरियाणा के दूसरे राज्यपाल व सर्वाधिक लम्बी अवधी तक रहने वाले राज्यपाल
- राव विरेन्द्र सिंह – हरियाणा के दूसरे मुख्यमंत्री व हरियाणा के प्रथम गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री
- राव विरेन्द्र सिंह ने हरियाणा विशाल पार्टी का गठन किया ।

हरियाणा विविध

- हरियाणा का पहला प्रादेशिक नाम ब्रह्मवर्त था ।
- हरियाणा भारत का उत्तर-पश्चिमी राज्य है यह 27° 39’ से 30° 55’ उत्तरी अक्षांश तथा 74° 28’ से 77° 36’ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है।
- हरियाणा राज्य की सीमा पाँच राज्यों से मिलती है।
  1. राजस्थान – सर्वाधिक लम्बी सीमा (1262 किमी)
  2. पंजाब
  3. हिमाचल प्रदेश
  4. उत्तर प्रदेश
  5. उत्तराखण्ड – सबसे कम सीमा (12 कि.मी.)
- हरियाणा तीनों ओर से दिल्ली को घेरे हुए है।
- हरियाणा भारत का भू-आवेष्ठित राज्य है तथा क्षे. 44212 वर्ग किलोमीटर है ।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में 21 वें स्थान पर है ।
- हरियाणा का क्षे. देश के क्षे. का 1.34 प्रतिशत है ।
- हरियाणा की जनसंख्या – 2,53,51,462 (18वाँ)
- हरियाणा का गठन 1 नवम्बर 1966 को सरदार हुकुम सिंह की सिफारिशों पर हुआ था ।
- हरियाणा के गठन के समय राष्ट्रपति – डॉ. राधाकृष्णन्
- हरियाणा के गठन के समय 7 जिले थे ।

  GHARJKM
  1. गुरुग्राम
  2. हिसार – सबसे बडा
  3. अम्बाला
  4. रोहतक
  5. जींद – सबसे छोटा
  6. करनाल
  7. महेन्द्रगढ
- हरियाणा राज्य का गठन 17वें राज्य के रूप में हुआ तथा संविधान के सातवें संशोधन के अनुसार हुआ।

- हरियाणा के गठन के समय हरियाणा में 54 सीट थी या 54 विधायक थे । 1967 में – 81 सीट
- 1977 में परिसीमन आयोग के अनुसार सीट बढाकर 90 कर दी गई ।

पुलिस रेंज – 5

- अंबाला – अंबाला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र
- करनाल – करनाल, कैथल, पानीपत
- रोहतक – रोहतक, चरखी दादरी, भिवानी, सोनीपत, झज्जर
- हिसार – हिसार, हाँसी, जींद, सिरसा, फतेहाबाद
- रेवाडी – रेवाडी, महेन्द्रगढ, पलवल, नूँह (मेवात)
- हरियाणा का एक मात्र पुलिस जिला – हाँसी

नोट – हरियाणा में गाँधी आश्रम – पलवल
रूस्तम ए हिंद – सज्जन सिंह किसानों का मसीहा, रहबर आजम – चौ. छोटूराम

मण्डल – 6

अंबाला मण्डल – अंबाला, यमुनानगर, पंचकुला, कुरूक्षेत्र
करनाल मण्डल – करनाल, कैथल, पानीपत रोहतक मण्डल – रोहतक, चरखी दादरी, भिवानी, सोनीपत, झज्जर
हिसार मण्डल – हिसार, फतेहाबाद, जींद, सिरसा गुरूग्राम मण्डल – गुरूग्राम, रेवाडल, महेन्द्रगढ
फरीदाबाद मण्डल – फरीदाबाद, पलवल, नूँह

हरियाणा में विभिन्न संगठन एवं उनकी स्थापना

1.	हरियाणा में HAFED की स्थापना कब हुई?	1 नवंबर 1966
2.	Haryana Co-operative Apex Bank स्थापना कब हुई ?	नवंबर 1966
3.	भारतीय विद्युत प्रशिक्षण की स्थापना कब हुई ?	वर्ष 1965
4.	हरियाणा स्टेट एलेक्ट्रिसिटी बोर्ड की स्थापना कब हुई ?	3 मई 1967
5.	हरियाणा वित्त निगम की स्थापना कब हुई ?	वर्ष 1967
6.	Haryana State agriculture Marketing Board की स्थापना कब हुई ?	1 अगस्त 1969
7.	Haryana State Federation of co-operative Sugar मिल्स की स्थापना कब हुई ?	1966
8.	Urban Local Bodies Department, Haryana (शहरी स्थानीय निकाय) की स्थापना कब हुई ?	1 अप्रैल 1982
9.	हरियाणा खादी और विलेज इंडस्ट्री की स्थापना कब हुई ?	1 फरवरी 1969
10.	हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर चाइल्ड वेल्फेयर की स्थापना कब हुई ?	1 अप्रैल 1971
11.	हरियाणा में यात्री परिवहन का राष्ट्रीयकरण किस वर्ष हुआ ?	1972 में
12.	सघन पशु विकास परियोजना की शुरुआत कब की गई ।	1972 में
13.	Command Area Development Board, Haryana की स्थापना कब हुई ?	19 अगस्त 1974 में
14.	Haryana Dairy Development Co-Operative Federation की स्थापना कब हुई ?	1 अप्रैल 1977 को
15.	हरियाणा भंडारागार निगम की स्थापना कब हुई ?	19 अगस्त 1974 में
16.	Haryana State Seed Certification Agency की स्थापना कब हुई ?	1 सितंबर 1976 को
17.	Haryana Urban E-States Development Agency (HUDA) की स्थापना कब हुई ?	13 जनवरी 1977 को
18.	हरियाणा में HARTRON की स्थापना कब हुई ?	1 जनवरी 1983
19.	भारतीय ग्रामीण महिला संघ की स्थापना कब हुई?	वर्ष 1979 में
20.	हरियाणा उर्दू अकादमी की स्थापना कब हुई ?	22 दिसंबर 1985 में

21.	Social Justice and Empowerment Development, Haryana की स्थापना कब हुई ?	वर्ष 1992
22.	Horticulture Department, Haryana की स्थापना कब हुई ?	1990-91
23.	Shivalik Development Board की स्थापना कब हुई ?	मार्च 1993
24.	Haryana Power Generation Co-operation की स्थापना कब हुई ?	1997 में
25.	Haryana Vidyut Prasaran Ltd की स्थापना कब हुई ?	19 अगस्त 1997 में
26.	Haryana Renewable Energy Development Agency की स्थापना कब हुई ?	मई 1997
27.	Haryana Electricity Regulatory Commission की स्थापना कब हुई ?	17 अगस्त 1998
28.	Haryana Non-Bio Degradable Garbage Control Act कब लागू हुआ ?	वर्ष 1998
29.	उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के स्थापना कब हुई?	1 जुलाई 1999
30.	हरियाणा में सूचना प्रोद्योगिकी की क्रांति की शुरुआत कब हुई?	वर्ष 2000
31.	हरियाणा में नई आईटी नीति कब लागू की गई?	वर्ष 2000 में
32.	गैर सरकारी संगठन 'SEED' का गठन किस वर्ष हुआ?	वर्ष 2005
33.	हरियाणा में किस वर्ष को किसान मजदूर वर्ष के रूप में मनाया गया?	वर्ष 2009
34.	संवाद society की स्थापना कब हुई?	12 फरवरी 2008
35.	हरियाणा में किस वर्ष को ऊर्जा वर्ष के रूप में मनाया गया?	वर्ष 2010 को
36.	हरियाणा में नई उद्योगिकी नीति कब लागू की गई?	1 जनवरी 2011
37.	हरियाणा राज्य महिला आयोग की स्थापना कब हुई?	20 अप्रैल 1999
38.	Haryana State Health Resource Centre की स्थापना कब हुई?	22 मई 2012
39.	Food & Drugs Administration, Haryana की स्थापना कब की गई?	4 जनवरी 2011 को
40.	निवेश एवं उद्यम विकास नीति 2015 की शुरूआत कब की गई ?	15 अगस्त 2015
41.	Haryana Housing Board की स्थापना कब हुई?	वर्ष 1971 में

Haryana Related Abbreviation & Full Form

MDI	Management Development Institute
MITC	Minor Irrigation Tube-well Corporation of Haryana
NABARD	National Bank of Agriculture and Rural Development
NAPP	Narora Atomic Power Plant
NBA	National Boxing Academy
NBRC	National Brain Research Centre
NCR	National Capital Region
NDDB	National Dairy Development Board
NDRI	National Dairy Research Institute
NFSM	National Food Security Mission
NHPC	National Hydroelectric Power Corporation
NIEITC	National Institute of Electronics & Information Technology Centre
NIFT	National Institute of Fashion Technology
NILP	National Integrated Licencing Policy
NIT	National Institute of Technology
NLDC	National Load Despatch Centre
NLRMP	National Land Record Modernization Programme

- टॉप-100 स्मार्ट सिटी में हरियाणा के दो शहर शामिल किए गए हैं (करनाल, फरीदाबाद)
- पंचायत चुनाव में शिक्षा की योग्यता लागू करने वाला हरियाणा देश का दूसरा राज्य है।
- हरियाणा में घूँघट पर्दा के खिलाफ सशक्तिकरण आंदोलन खड़ा करने वाली पहली महिला – मामकौर
- 1858 ई. में हरियाणा को पंजाब में मिलाया गया और 1966 तक हरियाणा पंजाब का ही हिस्सा रहा।

- प्रथम विश्वयुद्ध में हरियाणा में ब्रिटिश सरकार ने सैन्य भर्ती अभियान चलाया था जिसका विरोध पं. नेकी राम ने किया था।
- वर्ष 1925 में पीरजादा मोहम्मद हुसैन ने हरियाणा क्षेत्र को पंजाब से निकालकर दिल्ली में मिलाने की माँग उठाई।
- 9 सितम्बर 1932 को दीनबंधु गुप्त ने हरियाणा को पंजाब से अलग करने की माँग रखी।

नोट हरियाणा विधानसभा का नक्शा ली कार्बुर्जियर ने तैयार किया था।

- राज्य पुनर्गठन आयोग – 29.12.1953 (अध्यक्ष – फैजल अली)
  इसे फैजल अली आयोग भी कहते है जिसने भाषायी आधार पर पंजाब विभाजन की माँग को अस्वीकार कर दिया।
- 24 जुलाई 1956 को राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद की अनुमति से क्षेत्रीय फार्मूला गठित किया गया।
- हिन्दी क्षेत्रीय समिति का अध्यक्ष – बलवंत तायल सीमा आयोग का गठन – 23 अप्रैल 1966
- सीमा आयोग का गठन सरदार हुकुम सिंह या संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया था।
- सीमा आयोग को जे.सी. शाह आयोग भी कहते है क्योंकि इनके अध्यक्ष जे.सी. शाह थे।
  1. जे.सी. शाह
  2. एम.एम. फिलिप
  3. एस. दत्तू
- सरदार हुकुम सिंह लोकसभा के तीसरे स्पीकर थे।
- हरियाणा में प्रथम बार राष्ट्रपति शासन – 20.11. 1967 से 21.05.1968
  राष्ट्रपति – जाकिर हुसैन
- हरियाणा पंजाब सीमा 21 नवम्बर 1968 को अस्तित्व में आयी थी।
- हरियाणा की मुख्य भाषाएँ – हिन्दी, पंजाबी, तमिल, हरियाणवी
- हरियाणा में पंजाबी भाषा को द्वितीय भाषा का दर्जा प्राप्त है।
- हरियाणा में कृषि विभाग बोर्ड की स्थापना 1 अगस्त, 1969
  हरियाणा शिक्षा बोर्ड का गठन – 1969 (मुख्यालय – भिवानी)
- हरियाणा राज्य कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड – 1966
- हरियाणा राज्य लघु उद्योग और निर्यात निगम – 19 जुलाई 1967
- भारत में 100 प्रतिशत ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य सर्वप्रथम 29 नवम्बर 1970 को हरियाणा ने प्राप्त किया था।
- 30 जनवरी 1970 को अलग चंडीगढ की माँग के लिए दंगे या विद्रोह हुए थे ।
- हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का गठन 28 जनवरी 1970
- हरियाणा साहित्य अकादमी का गठन – 9 जुलाई 1970
- हरियाणा एवं पंजाब उच्च न्यायालय – 1975
- हरियाणा में प्रथम ग्रामीण क्षेत्रीय बैंक – भिवानी (2 अक्टूबर 1975)
- हरियाणा में मारूति उद्योग – 1983 (गुडगाँव)
- हरियाणा ओपन बोर्ड का गठन – 1994
- हरियाणा मं अब तक तीन बार राष्ट्रपति शासन लगा है।
  1. 1967
  2. 1977
  3. 1991
- हरियाणा में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला जिला – सिरसा (4277 वर्ग किलो मीटर)
- हरियाणा में कम क्षेत्रफल वाला जिला – पंचकुला
- हरियाणा में सबसे ज्यादा पाँच बार मुख्यमंत्री बने – ओपी. चौटाला तीन बार मुख्यमंत्री बने – बंसीलाल हरियाणा में सर्वाधिक समय तक रहने वाले मुख्यमंत्री
- भूपेन्द्र सिंह हुड्डा (1 योजना में बंसीलाल 7 वर्ष तक रहे थे।)
- चौ. बंसीलाल ने 1 जुलाई 1996 को हरियाणा में शराब बंद कानून लागू किया परन्तु 1 अप्रैल 1998 को यह कानून समाप्त कर दिया ।
- बंसीलाल
- आधुनिक हरियाणा का निर्माता
- हरियाणा का लौह पुरूष
- हरियाणवी गीतांजलि के रचयिता – हरिसिंह

नोट बनारसी दास गुप्ता एक मात्र मुख्यमंत्री जो हरियाणा केसरी के संचालक थे।
चौ. देवीलाल हरियाणा के ऐसे मुख्यमंत्री थेजो भारत के उपप्रधानमंत्री (1989–90) भी बने थे । – नारा–लोकलाज से लोकराज चलता है ।
– हरियाणा की लोकशैली – फुलकारी

- हरियाणा की एक मात्र महिला जिसे भारत रत्न मिला– अरूणा आसफ गांगुली (1997)

- हरियाणा का जींद जिला सर्वाधिक 7 जिलो से स्पर्श करता है।
- हरियाणवी भाषा में लिखा पहला उपन्यास - (झाडू फिरी, लेंखक- राजाराम शास्त्री)
- हरियाणा सिनेमा की पहली फिल्म - हरकुल सिंह जाट जुलाणी (1970)
- रॉबिन हुड ऑफ हरियाणा - हरकुल सिंह जाट (लोहारू)
- हरियाणा की सर्वाधिक सफल फिल्म - चन्द्रावल (1984), निर्माता - देवीशंकर
- भाखडा बांध का वास्तुकार -चौ. छोटूराम
- हरियाणा में सर्वोच्च साहित्य सम्मान- सुर सम्मान
- सर्वोच्च कृषि पुरस्कार - चौ. देवीलाल पुरस्कार
- सर्वोच्च उद्योग पुरस्कार - मुख्यमंत्री रत्न पुरस्कार
- सर्वोच्च शिक्षक सम्मान - राज्य शिक्षक पुरस्कार
- सर्वोच्च खेल पुरस्कार - भीम पुरस्कार (5 लाख) - यह पुरस्कार राज्यपाल द्वारा दिया जाता है इसे अर्जुन पुरस्कार के समक्ष माना जाता है।
- हरियाणा का प्रथम राज्य कवि - उदयमान हंस
- शिरोमणि कवि - मांगेराम (सोनीपत)
- हरियाणा का कालिदास व शेक्सपियर - दीपचंद बहमन (सोनीपत)
- हरियाणा का गाँधी - मूलचंद जैन (गोहना, सोनीपत)
- हरियाणा ताऊ - चौ. देवीलाल (सिरसा)
- किसानों का अफलातून - सूरजमल
- हरियाणा हरिकेन - कपिल देव (चण्डीगढ)
- अंतरिक्ष की रानी - कल्पना चावला (करनाल)
- हरियाणा का सरस्वती पुत्र - राजेन्द्र खरकियाँ
- ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ पंजाब - लीला राम बहादुर
- पहाडों की रानी - मोरनी हिल्स (पंचकुला)
- हरियाणा में कांग्रेस की प्रथम शाखा - 1886 (अम्बाला) लीला राय बहादुर के प्रयासो से
- हरियाणा के वर्तमान 6 असैनिक हवाई अड्डे है।
    1. अम्बाला वायु स्टेशन
    2. चण्डीगढ हवाई अड्डा
    3. हिसार हवाई अड्डा
    4. करनाल हवाई अड्डा
    5. सिरसा वायु सेना स्टेशन
    6. चण्डीगढ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

हरियाणा में 3 आकाशवाणी केन्द्र है।

1. रोहतक आकाशवाणी - 8 मई 1976 (सबसे पुरानी)
2. कुरूक्षेत्र आकाशवाणी - 24 जून 1991
3. हिसार आकाशवाणी - 26 जनवरी 1999

नोट हरियाणा में एक मात्र दूरदर्शन केन्द्र हिसार में है, जिसका उद्घाटन 1 नवम्बर 2002 में सुषमा स्वराज ने किया।

- ग्लैडियोलस फूल का सर्वाधिक उत्पादन - फरीदाबाद (हरियाणा में फूलों में सर्वाधिक उत्पादन ग्लैडियोलस का होता है)
- सबसे ज्यादा रजनीगंधा, मेहंदी - फरीदाबाद
- सर्वाधिक गेंदा का उत्पादन - गुडगाँव
- सर्वाधिक गुलाब का उत्पादन - चण्डीगढ
- हरियाणा में साल के वृक्ष - कालेसर घाटी (यमुनानगर)
- हरियाणा में टैक्ट्र कहाँ बनते है - फरीदाबाद
- गेटवे ऑफ हरियाणा - बहादुरगढ
- हरियाणा पंचायती राज अधिनियम - 22 अप्रैल 1994
- हरियाणा पंचायती नियमावली को 24 अगस्त 1994 को बनाया गया
- हरियाणा में फलों के उत्पादन में तीव्रता लाने हेतु कलस्टर पद्धति को बढावा दिया जा रहा है।
- गन्ने का सर्वाधिक उत्पादन - यमुनानगर
- सबसे ज्यादा आम का उत्पादन - अम्बाला (हरियाणा में सबसे ज्यादा आम का उत्पादन होता है।)
- सबसे ज्यादा आलू का उत्पादन - कुरूक्षेत्र
- सरसो का सर्वाधिक उत्पादन - महेन्द्र गढ, भवानी
- ज्वार का सर्वाधिक उत्पादन - रोहतक
- मक्के का सर्वाधिक उत्पादन - पंचकुला
- बाजरा का सर्वाधिक उत्पादन - भिवानी
- जौ का सर्वाधिक उत्पादन - भिवानी
- हल्दी का सर्वाधिक उत्पादन - अम्बाला, द्वितीय- यमुनानगर
- कपास, गेंहू का सर्वाधिक उत्पादन - सिरसा
- हरियाणा में सबसे ज्यादा वन - पंचकुला (31.55 प्रतिशत)
- सबसे कम वन - फतेहाबाद, पानीपत
- देश का पहला कंट्री क्लब - मेवात
- देश का पहला चल न्यायालय - मेवात
- मेवात में रेलवे जंक्शन नहीं है।
- हरियाणा की पहली ट्रन रेवाडी में 1873 में चली थी।
- हरियाणा की पहली मेट्रो गुडगॉव में 2010 में चली थी।
- देश की पहली सीएनजी ट्रेन 13 जनवरी 2015 को रेवाडी से रोहतक चली थी।
- लूर नृत्य होली के अवसर पर किया जाता है।
- डफ नृत्य बसंत ऋतु के अवसर पर किया जाता है।

- हरियाणा के प्रथम चुनाव आयुक्त - श्री जे. के. दुग्गल
- आकाशवाणी की पहली महिला गायिका - कमला शर्मा
- हरियाणा की एक मात्र महिला जो 2 बार माउंट एवरेस्ट पर चढी - संतोष यादव (रेवाडी)
- एशिया का बडा (सबसे बडा) फार्म - हिसार
- हरियाणा का ताजमहल - शेख चिल्ली का मकबरा
- हरियाणा में थानेसर को मुगल का द्वीप कहते है।
- हरियाणा में काला सोना - मुर्रा नस्ल की भैंस को कहते है ।
- हरियाणा के रेवाडी में हीरो तथा होण्डा-मोटर साइकिल की फैक्ट्री है।
- अम्बाला छावनी उत्तर भारत की प्रमुख सैन्य छावनी है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट - रोहतक (आईआईएम)
- उत्तर भारत का नंदन वन -यादवेन्द्र उद्यान (पिंजौर)
- एशिया का सबसे बडा कैक्टस गार्डन - पंचकुला
- हरियाणा के लिबर्टी जूतों का निर्माण - पंचकुला
- हरियाणा की हवाई चप्पल - महेन्द्रगढ
- हरियाणा की बाटा चप्पल - फरीदाबाद
- फूड पार्क - नखाना (जींद), राई (सोनीपत), साहा (अम्बाला), डबवाली (सिरसा)
- आई.टी. पार्क - पंचकला व आई.एम.टी. मानेसर
- औद्योगिक रूप में पिछडा जिला - महेन्द्रगढ
- दूध उत्पादन में हरियाणा भारत में दूसरे नं. पर है।
- चौ. देवीलाल प्राकृति पार्क - चुहरपुर (यमुनानगर)
   चौ. देवीलाल आदर्श नगरी - मानेसर (गुरूग्राम)
- हरियाणा में हिन्दी माध्यम की प्रथम पाठशाला - झज्जर (1914)
- हरियाणा पंचायती राज अधिनियम - 22 अगस्त 1994
- हरियाणा पंचायती नियमावली को 24 अगस्त 1994 को बनाया गया।
- सूरजमुखी तथा खुम्बी का सर्वाधिक उत्पादन - सोनीपत
- पहाडों की रानी - मोरनी हिल्स (पंचकुला)
- मोरनी की पहाडियों पर पथरीली मिट्टी पायी जाती है। ये पहाडियां चीड के वन तथा हरड के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

हरियाणा के जिलो का स्थापना दिवस (7) स्थापित जिले - **GHARJKM**

1 नवम्बर 1966 - गुरूग्राम, हिसार, अम्बाला, रोहतक, जींद, करनाल, महेन्द्रगढ

(8,9) 22.12.1972- भिवानी, सोनीपत
(10) 23.01.1973 - कुरूक्षेत्र
(11) 26.08.1975 - सिरसा
(12) 15.08.1979 - फरीदाबाद
(13-16)01.11.1989- KRPY (कैथक, रेवाडी, पानीपत, यमुनानगर)
(17)15.08.1995 - पंचकुला
(18,19) 15.07.1997- फतेहाबाद, झज्जर
(20) 04.04.2005 - मेवात (नूह)
(21) 15.08.2008 - पलवल
(22) 01.12.2016 - चरखी दादरी

हरियाणा के वर्तमान शहरो के प्राचीन नाम

वर्तमान नाम	प्राचीन नाम
गोहाना	गवन मोहना
सोनीपत	सोनप्रस्थ
औरंगाबाद	प्रकृतनाक
गुडगाँव	गुरूग्राम
सफीदों	सर्पदमन
महेन्द्रगढ	कन्नौड
रेवाडी	रवावाडी, रेवावडी
अम्बाला	अम्बाला
कुरूक्षेत्र	शर्यनवत
रोहतक	रोहिताश
सिरसा	शैरीषकम
फतेहाबाद	इकदार
जींद	जयंतपुरी
पलवल	अपलवा
हांसी	आसी
महम	महेस्थ
पिंजौर	पंचमपुर
कैथल	कपिलस्थल
थानेसर	स्थानेश्वर
जगाधरी	युगन्धर
कालका	कालकूट
नारनौल	नरराष्ट्र
असंध	असन्धिवत
अग्रोहा	अग्रोदका
बहादुरगढ	सरफाबाद
पेहोवा	प्रथूदक

नोट बौद्ध तथा जैन साहित्य में थानेसर का उल्लेख "थूणा" या "थूणा" गाँव से है।

- पिंजौर को विराजनगर भी कहते है।
- हिसार का प्राचीन नाम इसुकार है।
- खेड गुज्जर का प्राचीन नाम मायना, कोय, सतकुम्भा, जलालाबाद है।

हरियाणा के जिलो का नामकरण

जिला	जिसके नाम पर पडा
सिरसा	शास्वत ऋषि, सिरस के पेड के नाम पर
फतेहाबाद	बाबा फतेवचन्द्र के नाम पर
हिसार	चार किले – लाहोरी, मोरी, तालिकी, नागौरी
भिवानी	राजा भवानी सिंह के नाम पर
महेन्द्रगढ	राजा महेन्द्र सिंह के नाम पर
कैथल	हनुमान जी की जन्म स्थली
जींद	जयंती देवी के नाम पर
रोहतक	तारावती रानी के पुत्र रोहतास के नाम पर
झज्जर	छज्जू नामक किसान के नाम पर
रेवाडी	राजा रेवत ने रेवती को दान किया
पंचकूला	पाँच कूप (झरने)
अंबाला	अंबालिका के नाम पर
यमुनानगर	यमुना के किनारे
कुरूक्षेत्र	कौरवों का क्षेत्र
करनाल	दानवीर कर्ण के नाम पर
पानीपत	पाणिनी ऋषि के नाम पर
सोनीपत	श्रवणकुमार ऋषि के नाम पर
गुडगाँव	गुरूग्राम द्रोणाचार्य के नाम पर
फरीदाबाद	बाबा फरीद (मजार) के नाम पर

हरियाणा के जिलो और प्रमुख शहरों के उपनाम

अम्बाला	अम्बालिका, अम्बवाला, मिक्सी सिटी, विज्ञान नगरी
यमुनानगर	अब्दुलापुर, मछियारों का स्वर्ग, पेपर सिटी
कुरूक्षेत्र	धरम नगरी, सिटी ऑफ पार्कस
कैथल	छोटी काशी, वानरों का वास स्थल, हनुमान नगरी, गुरूद्वारों का शहर
करनाल	कर्णताल, धान का कटोरा, शूज सिटी, कर्ण नगरी, हरियाणा का पेरिस
जींद	जयन्तपुरी, जयंती देवी का नगर और हार्ट ऑफ हरियाणा, दूध नगरी
पानीपत	पनपथ और बुनकरों का शहर
सोनीपत	शोणप्रस्थ, सोने का शहर, एजुकेशन सिटी
रोहतक	शुगर सिटी, पीतल नगरी, वीर सिटी
झज्जर	छज्जू नगर, शहीदों का नगर
भिवानी	मिनी क्यूबा, वस्त्र नगरी, भारत की छोटी काशी, बॉक्सिंग का पावर हाउस
चरखी दादरी	बिल्हान सिंह फोगाट द्वारा स्थापित नगरी।
हिसार	हिसार ए फिरोजा, मैग्नेट सिटी और स्टील सिटी
फतेहाबाद	हरियाणा की पिंक सिटी
सिरसा	सरस्वती नगर और वन नगरी, संतो की नगरी
महेन्द्रगढ	खनिजों का शहर
रेवाडी	वीर सिटी, पीतल नगरी
गुरूग्राम	गुडगाँव, साइबर सिटी, मिलियन सिटी, सपनों की नगरी, कॉल सेन्टर कैपिटल, इलैक्ट्रॉनिक सिटी
पलवल	उपलबा, अपबाला, सिटी ऑफ कॉटन, शुगर सिटी
फरीदाबाद	उद्योग नगरी, बाबा फरीद की नगरी
पंचकुला	पाँच कूपों का शहर, नेनो सिटी

हरियाणा का प्राचीन इतिहास

- हरियाणा शब्द का अर्थ "भगवान का निवास" होता है जो दो शब्दों से मिलकर बना है हरि (विष्णु भगवान) + अयण (निवास) अर्थ विष्णु का निवास।
- कुछ विद्वानों के अनुसार हरियाणा शब्द की उत्पति हरि (संस्कृत हरित) और अरण्य (जंगल) से हुई है।
- अधिकांश वैदिक साहित्य (जैसे वेद, ब्राह्मण उपनिषद, आदि) की रचना हरियाणा प्रदेश से हुई अतः इन ग्रंथों में हरियाणा के भौगोलिक, आर्थिक, ऐतिहासिक और समाज की जानकारी मिलती है।
- ऋग्वेद से हरियाणा प्रदेश की भौगोलिक जानकारी मिलती है
- ऋग्वेद में हरियाणा के कुछ स्थानों का वर्णन किया गया है जिसमें सरयणवत मुख्य है।
- शतपथ ब्राह्मण में बताया गया है कि पहले हरियाणा क्षेत्र में रहने वाले कुरूओ का शासन था, जिनके नाम पर कुरुक्षेत्र पडा।
- हरियाणा का पहला प्रादेशिक नाम ब्रह्मवर्त था।

महाभारत काल में राजा कुरू के नाम पर ब्रह्मव्रर्त को कुरुक्षेत्र और आर्यावर्त कहा गया है।

- हरियाणा के प्राचीन नाम – ब्रह्मवर्त, ब्राह्मर्षि, ब्रह्म का उत्तरवेदी
- स्कन्दपुराण में कुमारिका खंड में हरियाणा के लिए 'हरियाला' शब्द का उल्लेख है।
- दसवीं सदी में पुष्पदंत ने महापुराण में पहली बार हरियाणाऊ शब्द का प्रयोग किया।
- वामन पुराण में हरियाणा में प्रवाहित होने वाली नदियों एवं वन क्षेत्रों का उल्लेख है।
- प्राचीन समय में हरियाणा सरस्वती नदी के किनारे स्थित था लेकिन वर्तमान में यमुना नदी के किनारे स्थित है।
- ऋग्वेद में हरियाणा को रज हरियाणे, मनुस्मृति में ब्रह्मवर्त तथा पुष्पदंत रचित महापुराण में हरियाणऊ कहा गया है।

विभिन्न विद्वानों द्वारा हरियाणा को दिए गए नाम

महाराज कृष्ण – हरना (लूटपाट)
राहुल सांकृत्यायन – हरिधानक्या डॉ
बुद्ध प्रकाश – अभिय्याणा
यदुनाथ सरकार – हरियाल
डॉ एच. आर. गुप्ता – आर्यना (आर्यों का घर) जी.सी. अवस्थी – ऋग्वेद से उत्पन्न
बाणभट्ट रचित हर्ष चरित में – श्री कण्ठ जनपद

बौद्ध साहित्य

- बौद्ध साहित्य से पता चलता है कि महात्मा बुद्ध ने हरियाणा में भ्रमण किया था ।
- दिव्यादान तथा माडिझमनिकाय आदि बौद्ध ग्रंथों से हरियाणा के जनजीवन का उल्लेख मिलता है।
- दिव्यादान में उल्लेखित 'अग्रोहा और रोहतक' बौद्ध धर्म के प्रचार केंद्र थे।

जैन साहित्य

- श्रीधर और पुष्पदंत दो प्रमुख जैन काव्यधारा के कवि थे।
- जैन मूर्तियाँ हाँसी व रानियाँ से प्राप्त हुई है।
- जैन साहित्य में अग्रोहा (हिसार) प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र था।
- प्रथम सदी के 'लोहाचार्य' नामक जैन विद्वान यही रहते थे।

सिंधु घाटी की सभ्यता

- बनावली, सिंधु घाटी सभ्यता के राज्य में पाए गए क्षेत्रों में सर्व प्रमुख है
- यह क्षेत्र राज्य के फतेहाबाद जिले में प्राचीन सरस्वती की घाटी में स्थित है।
- इसकी खोज 1973-74 ई. में आर. एस. विष्ट ने की थी।
  यहाँ से मिट्टी का खिलौना (हल) मिला है। तथा सडकों पर बेलगाडी के पहियो के निशान मिले हैं।
- यहाँ से काफी मात्रा में जौ के साक्ष्य मिले हैं ।
- बनावली एकमात्र स्थल है जहाँ से मातृदेवी की दो मृण्मूर्तियाँ मिली है।
- बनावली से प्राप्त एक मुद्रा पर विचित्र पशु अंकित है जिसकी धड सिंह की तरह और सिंग बैल की तरह है ।
- पुरापाषाण काल के बाद यहाँ नवपाषाण काल की संस्कृति विकसित हुई जिसके अवशेष सीसवाली (हिसार) 1968 से प्राप्त हुए हैं।
- सीसवाल में अल्प मात्रा में ताँबे का प्रयोग होने लगा था।
- नाम सीसवाल होने के कारण इसे सीसवाल सभ्यता भी कहते हैं।
- अब तक की सभ्यता के सभी स्थलों का हरियाणा में पता चल चुका है।

जिनमें प्रमुख है - राखीगडी (हिसार), बनावली (फतेहाबाद), सीसवाल (हिसार), मिताथल (भिवानी) प्रमुख हैं।

- सीसवाल चोटांग नदी के किनारे स्थित है यहां चित्रकला काले रंग से संबंधित है कहा जाता है कि उनके पास एक काला रंगवी था ।

मौर्य काल

- छठी शताब्दी ई. पूर्व हरियाणा में कई जनपदों की स्थापना हुई जिनमें गुरु एक महत्वपूर्ण गणराज्य था । महाभारत में मन्तयटक लोगों को उल्लेखित किया गया है।
- जूनागढ के शिलालेख (150 ई.) में यौधेयगण का उल्लेख है।
- भिवानी जिले के नौरंगाबाद नामक स्थान से मिले सिक्कों पर 'यौधेयाना बटुधान्यम्' अंकित था इसकी लिपि ब्राह्मी है ।
- हरियाणा के मौर्य समाज में शामिल होने का उदाहरण टोपरा (अम्बाला) में पाया गया स्तंभ लेख है।
- यौधेयगण का आविर्भाव मौर्य वंश के बाद हुआ। युधिष्ठिर के पुत्र यौधेय ने यौधेयगण बनवाया । महाभारत के द्रोणाचार्य के इसका उल्लेख है।

गुप्तोत्तर काल

- प्रतिहार शासक नागभट्ट द्वितीय (805-833 ई.) के समय हरियाणा के अधीन था।
- महिर भोज (836-885 ई.) के समय पेहोवा भारत का व्यापार केन्द्र था।
- महेन्द्र पाल प्रथम के पेहोवा शिलालेख से पता चलता है कि तोमरो में जाउल नामक पहला राजा था।

हडप्पा स्थल

- बनावली (फतेहाबाद) - इस स्थल से सांस्कृतिक अवस्थाओं के अवशेष मिले हैं - हडप्पा पूर्व और हडप्पा कालीन
- यहां से काफी मात्रा में जौ के साक्ष्य मिले हैं।
- भगवानपुर (कुरुक्षेत्र) - खुदाई -जे.पी. जोशी
- यह सरस्वती नदी के दक्षिण किनारे पर स्थित था।
- इस स्थल में सफेद, काले तथा आसमानी रंग के कांच की चूडियां, तांबे की चूडियां इत्यादि प्राप्त हुए हैं।
- यहां से प्राचीन धूसर और मातृभाण्ड भी प्राप्त हुए हैं।
- राखीगढी (हिसार) हडप्पा सभ्यता का खोजा गया सबसे बडा स्थल है ।
- इसकी खोज सूरजभान ने 1969 में की। कुणाल (फतेहाबाद)- 1986 में जे.एस. खत्री तथा एम. आचार्य
- यहां से तांबे की वस्तुओं कुण्डलित अंगूठियाँ, उल्टे वी के आकार के बाणाग्र, चपटी कुल्हाडी, मछली पकडने के कांटे तथा भाले के अग्रभाग प्राप्त हुए हैं ।
- कुणाल में वर्तमान में सबसे बडा हडप्पाकालीन और उससे पहला 2017 का सभ्यता स्थल मिला है।

वास्तु अवशेष

क्र.सं.	अवशेष	स्थान (जहां से प्राप्त हुए)
1.	सोने तांबे के सिक्के	मीताथल (भिवानी)
2.	इण्डो-ग्रीक सिक्के	खोखराकोट(रोहतक)
3.	जैन मूतियाँ	हांसी व शनीला
4.	यौधेय गणराज्य की मोहरें	नौरंगाबाद (भिवानी)
5.	हर्षकालीन ताम्र मुद्राएँ	सोनीपात
6.	शुंगकालीन फलक	सुध
7.	मिट्टी की मोहरें	दौलतपुर
8.	यज्ञ की मूर्तियाँ	पलवल
9.	कुषाण शैली का द्वार स्तम्भ	रोहतक
10.	सिक्के ढालने के साँचे	खोखराकोट, औरंगाबाद, बोहर, माजरा
11.	हडप्पाकालीन सभ्यता के अवशेष	भिवानी
12.	मौर्यकालीन स्तूप व अवशेष	हिसार, फतेहाबाद
13.	टकसालें	बोहर माजरा, अग्रोहा, बरवाला
14.	यौधेयकालीन साँचे	खोखरा कोट (रोहतक)
15.	विष्णु की मूर्ति	मोहनबाडी (रोहतक)
16.	एक मात्र पंचमुखी शिव की मूर्ति	पेहोवा

नोट

- यक्ष-यक्षिणियों की मूर्तियाँ (लाल पत्थर से बनी) - पलवल, भादस हथीन
- प्रतिहारों की काल की मूर्तियाँ लगभग पूरे हरियाणा से प्राप्त हुई हैं।